गुजरात सरकार के तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय द्वारा आयोजीत राज्य स्तरीय संमेलन में राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी शीलु बहनजी

सुख शांति भवन, अहमदाबाद :- गुजरात सरकार के तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय (Commissionerate of Technical Education Dept.) के द्वारा ''महिला सशक्तिकरण : उभरती प्रौधोगिकियों उधमिता विकास एवं जीवन प्रबंधन कौशल'' विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमीनार आयोजीत किया गया। जिसमें समग्र गुजरात राज्य के टेकनीकल कॉलेज के 500 से अधिक प्रिन्सीपाल, प्रोफेसरर्स एवम् विधार्थी उपस्थित रहे।

इस सेमीनार के उद्धाटन सत्र में माउन्ट आबु से पधारे, मुख्य वक्ता शिक्षा प्रभाग के मुख्यालय संयोजिका राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी शीलु बहनजी, गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग के मंत्री श्रीमती वसु बहन त्रिवेदी, विश्वकर्मा गर्वमेन्ट एन्जीनीयरींग कॉलेज के प्रिन्सीपाल भ्राता डॉ. ए. एम. प्रभाकर, प्रोफेसर रुपल बहन व्यास मंच पर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में महेमानों के द्वारा दिप प्रज्जलन के बाद, मुख्य वक्ता राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी शीलु बहनजी ने अपने वक्तव्य में जीवन प्रबंधन कौशल के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि - ''वर्तमान समय में IQ होना जरुरी समजते है, और EQ को भी लोग ज्यादा महत्व देने लगे है, किन्तु अब आवश्यकता है SQ की। आध्यात्मिकता की कमी के कारण मूल्यों का ह्रास होता नजर आता हैं। आज के वैज्ञानीक युग में आध्यात्मिकता का महत्व समझकर अगर विधार्थी मूल्यों की सही जानकारी प्राप्त कर, उसे अपने नीजी जीवन में अपनाये तो जीवन फूलों की तरह महक सकता हैं। फीर अपने जीवन को बहुत ही सुचारु रुप से मेनेज कर करते हैं। आज व्यक्ति के पास सोशीयल पावर, मनी पावर, फीझीकल पावर है किन्तु फिर भी आज का मानव पीछे रह गया है, उसका मूल कारण आध्यात्मिक पावर की कमी हैं। आध्यात्मिक शक्ति को जागृत्त करने का एक मात्र साधन है राजयोग''।

इस अवसर पर युवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजिका ब्र. कु. चंद्रिका बहन ने मेडीटेशन का महत्व भी समझाया। सेमीनार के अंत में उपस्थित प्राध्यापको एवम् विधाथीओ के लिए ब्रह्माकुमारी शीलु बहनजी के साथ प्रश्नोत्तर का भी कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा।